सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

;ठप्ठस्प्ळ्त्।च्ल्द्ध

1ण् ।बींतलं ैण्ैए ैपदही श्रेंचंसए ैींतउं ।तनद ;1990द्ध रू ॅजमत उंदंहमउमदजण् भ्पउंदीन च्नइसपबंजपवदए न्कंपचनतण्

2ण् ठंसप ल्ण्च्ण् ;1981द्ध रू ॅजमतीमक उंदंहमउमदज बवदबमचज –ेजतंजमहलण् ब्मदजतंस ैवपस –ॅजमत ब्वदेण् त्मेण् ल् ज्तहण् प्देजण्ए क्मीतंकनदण्

3ण् ठींजजए च्ण्छण् ;म्कपजवतद्ध ;1979द्ध ींजमतीमक उंदंहमउमदजए समबजनतमे कमअसपअमतमक ंज ीवतज बवनतेम ीमसक तिवउ 4जी जव 11जी श्रनदमण् ।ज ैब्ब्ल्जए क्मीतंकनदण्

4ण् ठपूें ।ण्ज्ञण्ए श्रमससंसप डण् ंदक ैजवनज ळण् ;1993द्ध ॅजमत वित ेनेजंपदंइसम कमअमसवचउमदज पद 21ेज बमदजतलण् व्गवितक न्दपअमतेपजल च्तमेए व्गवितकण्

5ण् ठपूें ।ण्ज्ञण् ;1980द्ध रू ॅजमत रू । चमतेचमबजपअम वद हसवइंस पेनमे – चवसपजपबेए व्गवितक न्दपअमतेपजल च्तमेए व्गवितकण्

6ण् ठंतसवू डण् ंदक ब्संतामए ज ;2004द्ध ठसनक ळवसकए जेम पिहीज जव ेजवच जीम बवतचवतंजम जीमजि व िजीम ूवतसक ॅंजमतए स्मजि ूवतकए छमू क्मसीपण्

7ण् ठसंबाए डण् ;2005द्धए जीम छव.छवदेमदेम हनपकम जव ूंजमतए तूंज च्नइसपबंजपवदए श्रंपचनतण्

8ण ब्तकमत क्ण्श्रण – ैचमदबमत ळप्ण ;1971द्ध रू ॅजमत बवदेमतअंजपवद ींदकइववाए ेवपस बवदेमतअंजपवद ेमतपमेण क्मचजजण वि।हतपबसजनतमए ।नेजतंसपंण

9ण बेवू टण्ज्ण ;1664द्ध भ्ंदकइववा वि चचसपमक ीलकतवसवहल रू डबहतूं भ्पससए छमू ल्वनताण

10ण वीनतनअं छंतंलंद टण्टण्ए ौींजतल ळण ंदक च्जदंपा न्यैण ;1990द्ध रू ॅजमतीमक उंदंहमउमदजण च्नइसपबंजपवद ंदक पदवितउंजपवद क्पअपेपवदए प्दकपंद ब्वनदबपस वि ।हतपबनसजनतम त्मेमंतबीए ज्ञतपीप ।दनेंदकींद ईीूंदए च्नेंए छमू क्मसीपण

11ण थ।ट ;1977द्ध रू ळनपकमसपदमे वित ॅजमतीमक उंदंहमउमदजण त्वउमए प्जंसलण

12ण थ।ट ;1986द्ध रू ॅजमतीमक उंदंहमउमदज रू पिमसक उंदनंसए हनससल बवदजतवसए त्वउमए प्जंसलण

13ण थ्तमकतपबी त्ण ज्तवमीए श्रण।ण भ्वइइेए स्ण क्वदीनम ;1980द्ध रू ैवपसक – ूंजमत ब्वदअेमतअंजपवद वित चतवकनबजपअपजल – मदअपतवदउमदजंस चतवजमबजपवदए च्तमदजपबम भ्ंसस पदबण म्दहसमूववक बसपींिए छमू श्रमतेमलए न्यैण।ण

14ण ळनतरंत त्ण्ज्ञण ंदक ठण्ब्ण ;2001द्ध श्रंस च्तंइंदकी टपहलंदए च्वपदजमत च्नइसपीमतेए श्रंपचनतण

15ण राजस्थान सुजस - फरवरी, 5 मई 2002 - पानी बचाओ

16ण त्ंदूंज पेंूत ैपदही : राजस्थान के जल संसाधन।

17ण मिश्र अनुपम (1995) : राजस्थान की रजत बूँदे। पर्यावरण कक्षण गाँधी षान्ति प्रतिश्ठान, नई दिल्ली।

18ण डनतजल श्रण्टप्ैण ;1991द्ध रू डंदंहमउमदज वि ंजमत तमेवनतबमे पद दवतजीमद त्ेरेंजींदण
।भ्ण्ै मउपण ।हतए भ्लकतवसवहलए त्ंरावजण

19ण डनतजल श्रण्टप्ैण ;1995द्ध रू ॅजीमतेीमक उंदंहमउमदज पद प्दकपंण ॅपसमल भ्ेंजमतद स्जकण्ए छमू क्मसीपण

20ण डवसपदहंए च्च्च ;2000द्ध ॅजमत वित विवक ंदक त्नतंस क्मअमसवचउमदजए ेंहम चनइण्ए छमू
क्मसीपण

21ण डीदवज ैण्ब्ब् – ैपदही च्ज्ञण ;1993द्ध ैवपस – ूंजमत ब्वदेमतअंजपवदए प्दजमत
ब्ववचमतंजपवदए ब्वतकपदंजपवद वि पिबमए श्रंपचनतण

22ण छंतूंदपए ळप्ैण ;2005द्ध ब्वउउनदपजल ूंजमत डंदंहमउमदजए तूंज च्नइसपबंजपवदे
श्रंपचनतण

23ण च्तपींतैप्ैण ंदकैदकीन इप्ैण ;1994द्ध रू प्ततपहंजपवद वि पिमसक बतवचेण प्ब्।त्ए छमू
क्मसीपण

24. बारलोव एम एव क्लाक टी. श्ठसनम ळवसकश इस पुस्तक मे 21 वीं सदी मे मानवीय क्रियाकलापों ककारण जल संसाधन की गुणवता मे आई कमी की विस्तृत विवेचना की गई है।

25. पीटर पी. मॉलींगा की ॅंजमत वित विवक ंदक त्नतंस क्मअमसवचउमदजश नामक पुस्तक मे द. एषिया क ग्रामीण क्षेत्रो मे जल एव भोज्य सामग्री के उपयोग क विकास की विवेचना की गई है।

26. डॉ. एस. पी. भारद्वाज, डॉ. रामबाबू, इ.जी,पी जुयाल और डा. एस. के. ध्यानी की "भूमि संरक्षण और जल समेट प्रबन्ध" नामक पुस्तक मे देष क विभिन्न जलवायु प्रदेषों मे भूमि संरक्षण एव जल समेट प्रबन्ध का विस्तुत विवेचना किया गया है।

27. बेतपे ठंतववू . ॅंजमत त्मेवनतबमे ंदक ।हतपबनसजनतंस क्मअमसवचउमदज पद जीम ज्तवचपबमश नामक पुस्तक में उश्ण कटिबन्धीय क्षेत्र मे जल एव कृशि क्षेत्रो पर विषेश चर्चा की गई है।

28. एस. सी महनोत, पी. क सिंह एव संजय मोटी ने ॅंजमतीमक ।चचतवबीमे पद प्उचतवअपदह जीम ैवबपव.मबवदवउपब ैजंजमे व ि ज्तपइसम ।तमंश मे जल ग्रहण विकास द्वारा राज्य क जनजातीय भागों मे जीवन सुधार पर अध्ययन पुस्तुत किया गया है।

29. डॉ. आर. के. गुर्जर ने प्ततपहंजपवद प्उचंबज वद क्मेमतज म्बवसवहलश मे पष्चिमी मरूस्थलीय पारिस्थितिकी दषाओं के प्रभावो का अध्ययन किया गया ह ै।

30. जी. एस. नरवानी श्ब्बउउनदपजल ॅजमत डंदंहमउमदजश मे सामुदायिक रूप से जल ग्रहण प्रब्ध

पर विषेश विवेचना की।

31. डॅ. बी. सी. जाट ने श्ॅजमत त्मेवनतबम ळमवहतंचीलश मे जल संसाधन पर विषेश विवेचना की गइ

है।

32. जल ग्रहण विकास एव मृदा संरक्षण विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर की "बारानी खेती की राश्ट्रीय जलागम (जलग्रहण) विकास परियोजना (1996)" मे राजस्थान राज्य क जलाग्रहण विकास एवं मृदा संरक्षण क्षेत्रो पर विषेश विवेचना की।

33. ळवनजंउ डींहंद की श्ळतवनदक ॅजमत त्मबींतहमश नामक पुस्तक मे धरातलीय जल पुनः

पूरण पर विषेश विवेचना की गई।

34. डण्स्ण् ळनचजं की श्न्तइंद ॅजमत ैनचचसलश नामक पुस्तक मे नगरीय जल वितरण पर विषेश

अध्ययन किया।

35. त्ण्ज्ञण् ळनतरंत ;1995द्ध ने श्ळमवहतंचील व ि प्दकपं ळंदकीप ब्ंदक ब्वउउंदक ।तमंश

नामक पुस्तक में राजस्थान मे इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना एव जल वितरण का विषेश अध्ययन किया।

36. ज्ञण्ब्ण् ज्ञंजीनतपं की श्ॅजमतीमक चींददपदह वित वचजपउनउ (अनुकूलतम) न्जपसप्रंजपवद

वि

ॅजमतश मे जलग्रहण योजना द्वारा जल की अनकूलतम उपयोगिता पर विषेश अध्ययन किया गया।